an>

Title: Need to check the menace of Nilgai (vanroj) causing damage to crops in Uttar Pradesh.

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्ज़ापुर): उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में घाड़रोज (वनरोज) की संख्या अत्यधिक हो गई है। वर्ष में दो बार इनके बच्चों का जन्म होता है। अब ये झुण्ड बना कर कृषि उपज को खेतों में ही खा रहे हैं। कहीं-कहीं किसानों पर आक्रामक भी हो जाते हैं। विवश हो कर किसान दलहन एवं सब्जी आदि की खेती बंद कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप दालों एवं सब्जियों का उत्पादन कम हो रहा है और उनके दाम बढ़ रहे हैं। प्रशासन को जमीन की खतौनी दिखाकर जांचोपरांत ही इनको मारने के लाइसेंस की अनुमति मिलती है। प्रश्न यह है क अगर घाड़रोज झुण्ड आ कर जब फसल बर्बाद कर रहा है तो क्या अनुमति मिलने तक वह झुण्ड प्रतीक्षा करेगा कि जब फसल बर्बाद हो चुकी होगी तब मारने की अनुमति का क्या करेंगे? यह भी गारंटी नहीं है कि जिसको अनुमति मिले, उसके पास बंदूक उपलब्ध हो।

अतः सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि इनकी संख्या वृद्धि को रोकने के लिए मौदानी भाग के मादा वनरोजों का बन्ध्याकरण किया जाए एवं इनकी प्रजाति को संरक्षित करने के लिए अभयारण्य बनाए जाएं ताकि फसलें भी सुरक्षित रह सकें और वनरोजों की प्रजाति का अस्तित्व भी बचा रहे।